Q. (धर्मनिरपेक्षता की समस्या मे धर्म की भूमिका):-

V.V.I ⇒

# Topic — Religion (धर्म)

Page-1

→ यह शब्द संस्कृत के "धृ" धातु से लिया गया है जिसका अर्थ होता है [redacted] →

: धारण करना

= बनाए रखना

- पुष्ट करना

Anglo भाषा में Religion शब्द का प्रयोग होता है जो Latin के दो शब्द 'Re' और "Legere" से हुआ है जिसका अर्थ सम्बंध स्थापित करना होता है (To Bind Back)

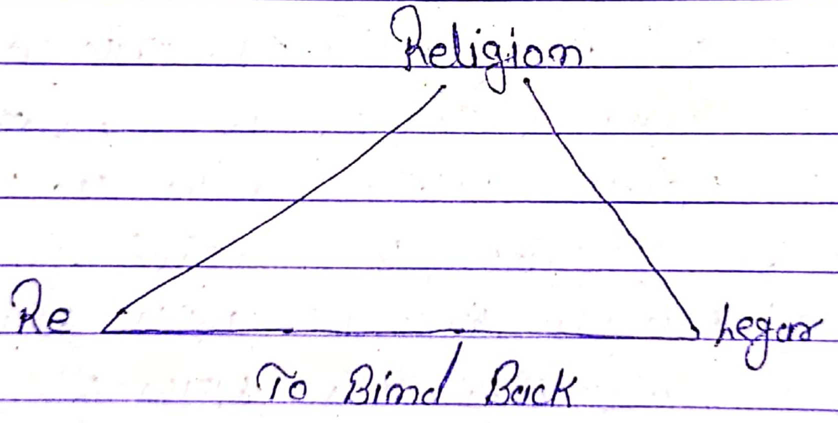


"ईश्वर के साथ सम्बंध स्थापित करना", यह सम्बंध मनुष्य को मनुष्य के साथ तथा ईश्वर के साथ है" A/C to काण्ट

"धर्म का सार मूल्यों को धारण करने मे विश्वास को करते है"

इस प्रकार धर्म का मतलब केवल धर्म विशेष के प्रति

Page-2

श्रद्धा रखना, माथे पर तिलक लगाना, श्लोकों का उच्चारण करना, जाप करना, माला फेरना, नमाज पढ़ना, धार्मिक ग्रंथों को पढ़ना, वंदना करना, मात्र नहीं होता है क्योंकि यह मंदिर, मस्जिद, गिरजाघर तथा गुरुद्वारा तक ही सिमित नहीं है बल्कि धर्म दिन प्रति दिन जीवन जीने के प्रसंगों से तथा उनको जीवन में अमल करने से है यह परमात्मा के मार्ग पर चलने और उसे साक्षात्कार करने की प्रक्रिया है जैसे - सत्यम, शिवम, सुन्दरम जैसे मूल्यों का पालन करना भी है मानवता की सेवा, समाज की सेवा, चराचर (पशु) प्राणी की प्रति प्रेम का भाव रखना धर्म है

03/08/19

A/c to दुर्खीम "धर्म एक पवित्र वस्तुओं से सम्बंधित विश्वासों और आचरणों की वह समग्र व्यवस्था है जो इन पर विश्वास करने वालों को एक नैतिक समुदाय में संयुक्त करती है"

A/c to Johnson "धर्म कम या अधिक रूप में उच्च अलौकिक व्यवस्था या प्राणियों, शक्तियों, स्थानों एवं अन्य तत्वों के सम्बन्ध में विश्वासों एवं व्यवहारों की एक स्थिर प्रणाली है"

⇒ धर्म की मौलिक विशेषताएँ :-

Scanned with CamScanner

(i) ⇒ अलौकिक शक्ति मे विश्वास

(ii) → भावात्मक श्रद्धेय अथवा भावनाएँ

(iii) → धार्मिक व्यवहार

(iv) → धार्मिक सामग्री

→ पवित्रता की भावना

→ धार्मिक ग्रंथ और पौराणिक ~~[illegible]~~ कथा।

→ धार्मिक मान्यताएँ

→ धार्मिक अनुष्ठान

⊙ चुनौतीपूर्ण लिंग की ~~[illegible]~~ कि समानता की शिक्षा मे लिंग की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है धर्म को चुनौतीपूर्ण लिंग की समानता की शिक्षा के आयोजन मे सहयोग करनी चाहिए। क्योंकि की पढ़ी-लिखी, ~~कुछ~~ ग्रामीण एवं शहरी सभी की धर्म मे प्रगाढ़ (अधिक) आस्था होती है अतः जिस धर्म के द्वारा कोई बात स्वीकृत होती है, प्रचलित की जाती है तो उस धर्म विशेष के अनुयायिओं का साथ प्राप्त होता है धर्म की भूमिका चुनौतीपूर्ण लिंग की समानता मे भी अहम होती है जैसे की -

Scanned with CamScanner

Page-4

→ - **धार्मिक गतिशीलता** →

इसके ~~[struck]~~ द्वारा धर्म स्त्री की शिक्षा में महत्वपूर्ण भूमिका अदा करती है इसका मतलब यह होता है की धर्म में निहित कुरीतियों, अवरोधक तत्व को समाप्त करके ~~उ~~ उनके स्थान पर (धर्म को) व्यक्तिगत के जीवन और गतिशीलता का अंग बना लिया और इसके द्वारा धर्म स्त्री और पुरुष दोनों को ही समान महत्व प्रदान करते थे

— **धर्म के व्यापक तथा मूल स्वरूप से परिचय** →

धर्म जैसा की हम जानते हैं प्रेम, मानवता, तथा मेल-मिलाप को बल देता है लेकिन संकीर्ण विचारधारा के समावेश होने से आपसी मतभेद उत्पन्न होता है ऐसी परिस्थितियों में धर्म के मूल स्वरूप की ओर पुनः लौटकर धर्म अपने को उपयोगी बना रहे हैं जिससे स्त्री शिक्षा में सकारात्मक दृष्टिकोण बढ़ रहा है

— **धार्मिक क्रियाकलापों द्वारा** —

धर्म भेद-भाव को समाप्त करने के लिए सामूहिक रूप से धार्मिक क्रियाकलापों का आयोजन किया जाता है ऐसे क्रियाकलापों में स्त्रियों का विशेष योगदान और महत्व पर बल देने की जरूरत होती है

Scanned with CamScanner

Date 06/08/19

Page 5

(4) स्त्रीयों की सहभागिता तथा आदर द्वारा :—

धार्मिक कार्यों में जिन धर्मों में महिलाओं को समान रूप से सहभागिता तथा आदर प्रदान किया जाता है तो ऐसे धर्म को मानने वाले में भी महिलाओं की समानता तथा आदर का भाव जागृत होती है

(5.) चारित्रिक तथा नैतिक विकास द्वारा :—

धर्म अपने अनुयायियों के चारित्रिक एवं नैतिक विकास का कार्य करता है जिससे महिलाओं से समाज के द्वारा दुर्व्यवहार नहीं होता है साथ ही महिलाएं भी सुरक्षित महसूस कर सकती है

(6) कर्म के सिद्धांत की प्रतिष्ठा ( कर्म ही पूजा है ) :—

धर्म का यह मानना है की कार्य ही पूजा है यानि की कार्य करने वाला व्यक्ति ही सच्चा धार्मिक है कर्म प्रधान धर्म से समाज में लैंगिक भेदभाव नहीं होंगे क्योंकि कार्य पर धर्म की संस्कृति होगी। इस प्रकार स्त्रीयों की स्थिती में सुधार आयेगी।

(7) सामाजिक कुरीतियाँ तथा भेद - भावों को गैर धार्मिक घोषित करना :—

Page-6

जैसा की हम देखते हैं कि हमारे समाज में धर्म के नाम पर सामाजिक कुरीतियाँ तथा भेद-भाव की भावनाएं चली आ रही हैं जिसके कारण धर्म के नाम पर व्यक्ति हमेशा डरा रहता है अगर हम इन कुरीतियों के खिलाफ मिलकर आवाज उठाए तो लिंग की चुनौतीपूर्ण में सुधार हो सकता है

(8) विद्यालयों की स्थापना :-

धार्मिक स्थलों पर मुंहगी चढ़ावा चढ़ाया जाता है (तिरुपति, बालाजी, शिरडी वाला मंदिर) जो की जनहित कार्यों में लगाने के लिए होता है लेकिन अगर इन्ही पैसों से हम गरीबों की मदद एवं कन्याओं के लिए विद्यालय स्थापित कर दें तो काफी हद तक आर्थिक एवं सामाजिक स्थिति में सुधार आ सकती है।

(9) जागरूकता का प्रसार :-

धर्म के द्वारा लोगों को जागरूक बनाया जाता है कि जिससे की सामाजिक कुरीतियाँ की समाप्ती होती है जैसे की बाल-विवाह, नशापान, आदि इस प्रकार जागरूकता फैलाया है।

(10) अन्य अधिकरणों (संस्था) से सहयोग लेना :-

धर्म एक प्रभावी और शक्तिशाली संस्था है अतः चुनौतीपूर्ण लिंग की शिक्षा की के लिए धर्म अन्य सहयोग भी प्राप्त करता है इस कारण से चुनौतीपूर्ण लिंग की

Scanned with CamScanner

समानता की शिक्षा में वृद्धि हो रही थी.

इस प्रकार धर्म कोई ऐसी चीज नहीं है जिसे समता या जा मानना हो जा सकता है उनकी यह ईश्वर में आस्था है क्योंकि यह किसी न किसी रूप से समाज में पाया जाता है और यह अलौकिक शिक्षा पर आधारित है धर्म का सम्बन्ध हमारी मानसिक प्रवृत्ति से होती है जिसका प्रादुर्भाव हमारे विचारों और संस्कारों द्वारा होता है अतः यह एक ऐसा प्रकार के विश्वासों, प्रतीकों, मूल्यों एवं क्रियाओं की संस्थागत प्रणाली है जो मनुष्य के समूहों को जीवन के परम लक्ष्यों या प्रश्नों का समाधान प्रदान करती है

समानता की शिक्षा में वृद्धि हो रही थी.

इस प्रकार धर्म कोई ऐसी चीज नहीं है जिसे ~~महत्व का~~ समझना या
या मानना ही जा सकता है बल्कि यह ईश्वर
में आस्था है क्योंकि यह किसी न किसी
रूप से समाज में पाया जाता है और यह
अलौकिक शिक्षा पर आधारित है धर्म का
सम्बन्ध हमारी मानसिक प्रवृत्ति से होती है
जिसका प्रादुर्भाव हमारे विचारों और संस्कारों
द्वारा होता है अतः यह एक ऐसा प्रकार के
विश्वासों, प्रतीकों, मूल्यों एवं क्रियाओं की
संस्थागत प्रणाली है जो मनुष्य के समूहों को
जीवन के परम लक्ष्यों या प्रश्नों का
समाधान प्रदान करती है

Scanned with CamScanner